

प्रेषक,

दीपक कुमार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,

उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,

नियर बालाजी मंदिर, झांझरा, देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग:

देहरादून: दिनांक: 17 अगस्त, 2016

विषय:- उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, झांझरा, देहरादून के अन्तर्गत निर्माणाधीन "विज्ञान धाम" हेतु अवशेष धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 11508/वि0प्रौ0प0/सचि0/24/2009-10 दिनांक 26.07.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि प्रश्नगत कार्य हेतु शासन को उपलब्ध कराये गए पुनरीक्षित आगणन 719.32 लाख का टी0ए0सी0, वित्त विभाग के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गई धनराशि रू0 712.39 लाख के आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रश्नगत कार्य हेतु शासन द्वारा आपको अवमुक्त कुल रू0 687.00 लाख की धनराशि को समायोजित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में विज्ञान धाम के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि रू0 25.39 लाख (रू0 पच्चीस लाख उन्तालिस हजार मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि का इस मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-20147/XIV-219 (2006) दिनांक 30.05.2006 तथा समय-समय पर जारी अन्य शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय उन्हीं कार्यों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
2. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी। इस संबंध में कार्य की प्रगति हेतु महानिदेशक, उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा निर्धारित अवधि के उपरान्त अनुश्रवण, मूल्यांकन किया जाय एवं आख्या से शासन को अवगत कराया जाय।
3. कार्य करने से पूर्व किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तो प्राप्त करके ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।
4. भवन निर्माण के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग/वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों का

अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित समयानुसार सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जायेगी।

5. इस संबंध में धनराशि का निर्धारित अवधि में उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रतिमाह उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
6. उक्त कार्य मदों हेतु व्यय करते समय वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं संगत संशोधित नियमावली में निहित प्रावधानों/व्यवस्थाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. कार्य मदों में व्यय के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में प्राप्त निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
8. इस सम्बन्ध में किया जाने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-23 लेखाशीर्षक-3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान-60-अन्य-004-अनुसंधान तथा विकास-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-विज्ञान धाम की स्थापना-00-आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद संख्या 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक: अलॉटमेंट आई0डी0

भवदीय,

(दीर्पक कुमार)
सचिव।

संख्या: 279 /XXXVIII /16-47 /2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकार/कोषाधिकार, देहरादून।
4. अपर सचिव, वित्त-बजट।
5. निजी सचिव, मा0 मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. नियोजन विभाग।
7. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह बिष्ट)
उप सचिव।